सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan(Hindi) Date: 18 Nov. 2009

Edition: Lucknow Page:

नौटंकी के स्वर में बोली 'आशा बहू'

बीएम शाह प्रेक्षागृह में 'आशा मेरी अभिलाषा' का मंचन

निज संवाददाता लखनऊ

नक्कारे की जोरदार गूँज के बाद कलाकार ने तान ली और कहा कि 'सब्जियाँ, मौसमी फल, गुड़, चना को कर लेना स्वीकार, इनसे बनता है पौष्टिक आहार, है पौष्टिक आहार साथ आयरन की गोली खाएगी, स्वस्थ कन्या ही स्वस्थ पत्नी और माता बन जाएगी।' नौटंकी का यह मनोरंजक और ज्ञानवर्धक रूप मंगलवार को भारतेन्दु नाट्य अकादमी के बी.एम.शाह प्रेक्षागृह में देखने को मिला।

इस अवसर पर चित्रा मोहन निर्देशित नौटंकी 'आशा मेरी अभिलाषा' का प्रदर्शन किया गया। इसमें संध्या दीप, मीता पंत, अलका वी.जोशी, श्रुति पाण्डे, मो.सैफ, विशाल यादव और कुलभूषण बाजपेई ने विभिन्न पात्र को जीवंत किया। मोहम्मद सलाम ने नक्कारा, मुहम्मद गुलाम ने ढोलक, मोहम्मद अनवर ने हारमोनियम पर उम्दा संगत दी। कार्यशाला में एक प्रस्तुति शेषपाल सिंह ने 'मशाल' नाम से तैयार की है।

खुद बनाएँगे नौटंकी विकास संस्थान

लखनऊ। नौटंकी के वरिष्ठ कलाकार बाबादीन मिश्र उन्नाव के निवासी है। नौटंकी विधा के प्रति सरकारी उदासीनता के चलते वे खुद ही बाबा नौटंकी विकास संस्थान बनाने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज भी गाँव में होने वाले शुभ अवसरों पर नौटंकी का चलन है। लोग दस से पच्चीस हजार रुपए तक कार्यक्रम करा देते हैं। इलाहाबाद के राजेश गांधी बीते बीस वर्षों से युवाओं को नौटंकी से जोड़ रहे हैं। इसके लिए वह समय-समय पर नौटंकी कार्यशाला का आयोजन करते हैं। उनका लक्ष्य हर साल लगभग पचास युवाओं को इस कला से जोड़ने का रहता है।

इस नौटंकी में कहा गया कि 'गोला रहे दगाय, आज बिटिया है घर को आई, लक्ष्मी ने की कृपा इसी से बाँट रहा मिठाई।'

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan(Hindi) Date: 22 Nov. 2009

Edition: Lucknow Page:

जादू से जगाएँगे जागृति की अलख

लखनऊ। जादूगर ने हवा में हाथ हिलाया और दो रुमालों के बीच देखते ही देखते तीसरा रुमाल बँध गया। लोग अभी इस हाथ की सफाई पर ताली बजा ही रहे थे कि उनकी निगाह तीसरे रुमाल पर लिखे संदेश पर गई। उसमें लिखा था कि 'कम उम्र की शादी करने पर पन्द्रह दिन की जेल या एक लाख रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।' यह नजारा था भारतेन्दु नाट्य अकादमी में शनिवार को आयोजित सिफ्सा की कार्यशाला का। इसमें आनंद शर्मा के निर्देशन में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में आशा की भूमिका विषयक जादूगरी का खेल पेश किया गया। प्रदेश भर से आए जादूगरों ने इसे बतौर मॉडल सीखा। (निसं)

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan(Hindi)	Date: 24 Nov. 2009
Edition: Lucknow	Page:

पपेट शो से होगा स्वास्थ्य योजनाओं का प्रचार

लखनऊ। भारतेन्दु नाट्य अकादमी में सिफ्सा की ओर से सोमवार को कठपुतली प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदीपनाथ त्रिपाठी की प्रस्तुति में बताया गया कि जच्चा और बच्चा की देखभाल करने में आशा बहू किस तरह मददगार साबित हो सकती है। प्रस्तुति का आलेख विनय श्रीवास्तव ने तैयार किया है। सिफ्सा की परियोजना समन्वयक प्रीति गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के पन्द्रह दल प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रदेश भर में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं का प्रचार करेंगे।

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan(Hindi)
Date: 27 Nov. 2009
Edition: Lucknow
Page:

कव्वाली देगी तंदुरुस्त रहने का संदेश

निज संवाददाता लखनऊ

लिंग जाँच के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए सिफ्सा द्वारा कव्वाली का प्रदर्शन गुरुवार को भारतेन्दु नाट्य अकादमी के बी.एम.शाह प्रेक्षागृह में किया गया। अकादमी सम्मान पाने वाले सआदत हुसैन खाँ के मार्गदर्शन में कार्यशाला संचालित की गई। इसमें आफताब आलम कानपुरी के आलेख का प्रदेश भर से आए कव्वालों ने रियाज़ किया। इसी के साथ 17 नवम्बर से चली आ रही सिफ्सा लोक विधा प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। योजना समन्वयक प्रीती गुप्ता ने बताया कि शिविर के तहत नौटंकी, नुक्कड़ नाटक, जादू, पुतुल, बिरह और कव्वाली के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ गाँवों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य विकास मिशन का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बदायूँ के वरिष्ठ सूफी कव्वाल तालिब हुसैन सुल्तानी ने जर्मनी, जापान, लंदन, पेरिस में कार्यक्रम दे चुके हैं। ताबिल के अनुसार चूँकि उर्दू की समझ लोगों को कम होती जा रही है इसलिए कव्वाली की लोकप्रियता कम हो रही है।

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Dainik Jagran	Date: 01 Dec. 2009
Edition: Lucknow	Page: 10

'सुरक्षित प्रसव के लिए आशा बहुएं भी जिम्मेदार'

सिफ्सा प्रशिक्षण शिविर में बोलते सहायक परियोजना समन्वयक संजय श्रीवास्तव जागरण

लखनऊ, 30 नवम्बर (संसू) : गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल ले जाना आशा बहुओं का काम है। सुरक्षित प्रसव के लिए यह भी जिम्मेदार हैं। इसी तरह मां व बच्चे के टीकाकरण का जिम्मा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) का है। सोमवार को इंदिरानगर स्थित आईसीसीएमआरटी में आयोजित कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी ग्रामीण स्वास्थ्यकर्ताओं को दी। सिफ्सा (राज्य परिवार नियोजन सेवा अभिनवीकरण योजना एजेंसी) की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में ग्रामीण स्वास्थ्यकर्ताओं को स्वास्थ्य परियोजनाओं से अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्यकर्ताओं को मातृ-बाल स्वास्थ्य संचार, परामर्श एवं व्यवहार, परिवार नियोजन सेवाएं, पारिवारिक जीवन शिक्षा, लिंगभेद एवं पीएनडीटी एक्ट, स्वास्थ्य क्षेत्र में पंचायती राज की अहम भूमिका, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, परियोजना प्रबंधन व मूल्यांकन, सामग्री वितरण प्रबंधन तथा सामाजिक विपणन के गुर सिखाये गए और साथ ही प्रदेश में चल रही अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं से भी अवगत कराया ताकि मध्यस्तरीय कार्यकर्ताओं को दिक्कत न हो। कार्यक्रम का उद्घाटन फैमिली वेलफेयर के निदेशक सीबी प्रसाद ने किया। स्वास्थ्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए पहले दिन यहां सिफ्सा की उपनिदेशक सविता चौहान, सत्र संयोजक माया उप्रेती, सहायक परियोजना समन्वयक संजय श्रीवास्तव, वीपी गुप्ता व दिग्विजय त्रिवेदी मौजूद थे। सोमवार से शुरू हुआ स्वास्थ्यकर्ताओं का यह प्रशिक्षण 12 दिसम्बर तक चलेगा।

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Dainik Jagran	**Date: 13 Dec. 2009**
Edition: Lucknow	**Page: 3**

'ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी नहीं'

- 'स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम' का समापन

लखनऊ, 12 दिसम्बर (जासं) : ग्रामीण चिकित्सा सेवा को और अधिक बेहतर बनाने के लिए सरकार की ओर से तमाम कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं लेकिन गांव के लोगों को अभी तक इसकी पूरी जानकारी ही नहीं है।

इसलिए स्वयंसेवी संगठनों की जिम्मेदारी है कि वह गांव-गांव जाकर लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दें। साथ ही उन्हें इसके लिए प्रेरित भी करें, जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके। यह जानकारी सिफ्सा की उप महाप्रबंधक सविता चौहान ने दी। शनिवार को वह सिफ्सा की ओर से आयोजित 'स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम' के समापन अवसर पर सम्बोधित कर रही थीं।

आईसीसीएमआरटी इंदिरानगर में आयोजित स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन मौके पर बोलते सिफ्सा के कार्यक्रम अधिकारी दिग्विजय त्रिवेदी जागरण

इंदिरानगर स्थित आईसीसीएमआरटी भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत घरों में होने वाले प्रसव को रोकने के लिए सरकार ने जननी सुरक्षा योजना शुरू की है, जिसमें अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता को एक निश्चित मात्रा में प्रोत्साहन राशि दी जाती है लेकिन इसकी जानकारी के अभाव में तमाम महिलाएं अब भी इसका लाभ नहीं ले पा रही हैं। इस मौके पर कार्यक्रम की प्रशिक्षण समन्वयक माया उप्रेती ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के लगभग 20 सहभागियों को प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया था। यहां उन्हें दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके तहत उन्हें स्वास्थ्य के क्षेत्र में पंचायती राज विभाग की भूमिका, लिंग भेदभाव, परिवार नियोजन, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य तथा अन्य गतिविधियों के बाबत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतिभागियों को मोहनलालगंज क्षेत्र के गांवों का भ्रमण भी कराया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। समापन अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी दिग्विजय सिंह, वीपी गुप्ता, ललित मेहता तथा विभा बाजपेई समेत अन्य लोग मौजूद थे।

Publication: Indian Express | Date: 22 Jan. 2010
Edition: Lucknow | Page: 4

Coming up, a call centre for state Merry Gold hospitals

SURBHI KHYATI
LUCKNOW, JANUARY 21

TO increase the reach of the Merry Gold Health Network programme, a state government initiative, a call centre is being launched for its beneficiaries.

The state government had launched the programme in August 2007 to bring down the Maternal Mortality Ratio of the state. Under the programme, the private healthcare providers were roped to provide cost-effective maternity services.

The programme was launched through the State Innovation Family Planning Services Agency and Hindustan Latex Family Planning Promotion Trust (HLFPPT), with funding from the United States Agency for International Development.

The programme was brought in as a supplementary model of the Janani Suraksha Yojana.

A public-private-partnership initiative, the scheme has covered 35 hospitals across 21 districts in the state and plans to spread its network to at least 35 more hospitals across 15 districts by March end.

"We will be launching a toll free number for the programme for the benefit of the public as well as our 6,000 ground level workers who can directly get in touch with us for any assistance," said Sharad Agarwal, State Director of HLFPPT.

"The need of a call centre was felt when we realised that in some of the hospitals attached to the network, while the deliveries of the patients brought by ground level workers of the network was being considered under the programme, the hospitals were charging their original fee from patients, which is not allowed," said Dr Amita Jain, Communication Manager at HLFPPT.

"With a toll-free number, the patients, who go to any of the hospitals listed as Merry Gold, will be able to approach us directly and we will also be able to get a feedback from them," added Jain.

The cost of normal deliveries in Merry Gold hospitals is Rs 1,999 and Rs 6,999 for caesarian deliveries, which includes the hospital stay charges as well as medicines.

"Since the last two months, we have been organising Outreach Camps at the village and hospital level, in which pregnant women between seven and nine months are called and their *'godh-bharai'* is done," said Jain.

"As gifts, we give them pamphlets regarding mother care. The ground level workers along with a doctor counsel the women to opt for institutional deliveries and tell them about Merry Gold hospitals," added Jain.

सिफ्सा
SIFPSA

IN NEWS

Publication: Hindustan(Hindi) **Date:** 20 Nov. 2009

Edition: Lucknow **Page:** 9

नुक्कड़ नाटकों के लिए समर्पित युवा

समाज़ सेवा के लिए कीर्ति ने छोड़ा परिवार

लखनऊ। समाज सेवा के प्रति आज के युवाओं में जोश और जज्बे की कोई कमी नहीं है। कीर्ति गौतम और सुशील कुमार सक्सेना भी ऐसे ही उन युवाओं में हैं जो नुक्कड़ नाटक के जरिए मलिन बस्तियों में लोगों में जागरूकता का संचार कर रहे हैं।

कीर्ति गौतम

सुशील सक्सेना

कीर्ति गौतम ने बताया कि नुक्कड़ नाटक ने तो मुझे दूसरी जिन्दगी दी है। दादी के निधन के बाद मेरा मानसिक संतुलन बिगड़ गया। ठीक हुई तो नुक्कड़ नाटक का क्रम शुरू हुआ। मलिन बस्तियों के लोगों को जागरूक करने का काम मुझे बेहद पसंद आया। लेकिन परिवार ने मेरी इस दीवानगी का जबरदस्त विरोध हुआ। तब मैंने अपनी अलग व्यवस्था कर आजीवन विवाह न करने का निर्णय कर लिया। अब कीर्ति का सपना एक वृद्धाश्रम बनाने का है। ऐसे ही प्रेरक युवा हैं बरेली के सुशील कुमार सक्सेना वह आरोही सांस्कृतिक संस्था के माध्यम से मलिन बस्तियों में लोगों की मदद के लिए रविवार को नुक्कड़ नाटक खेलते हैं। (निसं)

'नया मेहमान' ने संदेश भी दिया

लखनऊ। 'अठारह की लड़की, इक्कीस का लड़का हो, इस उम्र से पहले कभी शादी न हो, जब हो किशोर लड़की बारह से सत्रह की दें चार वक्त भोजन, साग सब्जी और गुड़ चना भी, सम्पूर्ण शरीर तभी विकसित लड़की का हो....।' यह संदेश है नुक्कड़ नाटक 'नया मेहमान' का। इसका मंचन गुरुवार को भारतेन्दु नाट्य अकादमी के बीएम शाह प्रेक्षागृह में वरिष्ठ रंगकर्मी आत्मजीत सिंह के आलेख और निर्देशन में किया गया।

यह योजना राज्य परिवार नियोजन सेवा अभिनवीकरण परियोजना एजेन्सी-सिफ्सा और भारतेन्दु नाट्य अकादमी-बीएनए के सहयोग से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य योजना के प्रचार-प्रसार के लिए संचालित की जा रही है। इस नुक्कड़ नाटक को मॉडल के रूप में सीखकर प्रदेश भर के कलाकार इसे दूरस्थ जिलों में प्रदर्शित करेंगे। मंच पर सुनील चतुर्वेदी, रत्नेश सक्सेना, दलबीर सिंह, पायल वर्मा, मोनिका शिल्पकार, महेश चन्द्र देवा, सागर अरोड़ा और शिवचरन ने विभिन्न किरदार बखूबी अदा किए।

इस अवसर पर सिफ्सा की ओर से परियोजना समन्वयक प्रीति गुप्ता और अकादमी की ओर से सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे। इसमें रंगकर्मी शेषपाल सिंह के नुक्कड़ नाटक 'सबल निरोगी काया' पर भी चर्चा हुई। (निसं)